6. Trace out the internal trade and trade routes during the early medieval period.

पूर्व मध्यकालीन आन्तरिक व्यापार तथा व्यापारिक मार्गों को रेखांकित कीजिए ।

Unit IV (इकाई IV)

7. Analyze the salient features of agrarian economy of south India.

दक्षिण भारत में कृषि सम्बन्धी अर्थव्यवस्था की प्रमुख विशेषताओं का विश्लेषण कीजिए ।

8. Analyze the importance of the contribution of Guilds in the economic life in south India.

दक्षिण भारत के आर्थिक जीवन में श्रेणियों की भूमिका के महत्त्व का विश्लेषण कीजिए ।

Unit V (इकाई V)

9. Write short notes on the following :

(a) Bhadagaradhikrita

(b) Secular Land grants

No. of Printed Pages : 05 **Roll No. .....**

51615

M.A. (History, Culture and Archaeology) EXAMINATION, 2026

(Fourth Semester)

(Re-appear Only)

ECONOMIC HISTORY OF INDIA

(ET-C. 1200 AD)-II

Group B

(2017-18 Onwards for UTD and 2020-21 Onwards for Colleges)

Time : 3 *Hours*] [*Maximum Marks :* 80

Before answering the question-paper, candidates must ensure that they have been supplied with correct and complete question-paper. No complaint, in this regard will be entertained after the examination.

Note : Attempt *Five* questions in all, selecting *one* question from each Unit. Q. No. **9** (Unit V) is compulsory. All questions carry equal marks.

प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रश्न क्र. **9** (इकाई V) अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

Unit I (इकाई I)

1. Trace the role of land-grants in the Gupta economy.

गुप्तकालीन अर्थव्यवस्था में भू-दान व्यवस्था की भूमिका को रेखाकिंत कीजिए ।

2. Write an essay on the role of peasantry in Ancient Indian economy.

प्राचीन भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषकों की भूमिका पर एक निबन्ध लिखिए ।

Unit II (इकाई II)

3. Highlight the ownership of land in early medieval period.

पूर्व मध्यकालीन भारत में भू-स्वामित्व व्यवस्था पर प्रकाश डालिए ।

4. Highlight the land-revenue system in early medieval north India.

पूर्व मध्यकालीन उत्तरी भारतीय भू-कर व्यवस्था पर प्रकाश डालिए ।

Unit III (इकाई III)

5. Critically analyze the prominent causes responsible for the decline of trade in Post-Gupta period.

गुप्तोत्तर काल में व्यापार के ह्रास के लिए उतरदायी प्रमुख कारणों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए ।

(c) Udrang and Uprikar

(d) Mahakshpatlika and Karnika

(e) Bhutavata pratyaya

(f) Sopara, Cambay and Broach

(g) Indo-roman trade

(h) Trade goods exported from south.

निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(अ) भांडागाराधिकृत

(ब) धर्मनिरपेक्ष भूमि अनुदान

(स) उद्रंग तथा उपरिकर

(द) महाक्षपटलिक तथा कारणिक

(इ) भूतावातप्रत्याय

(फ) सोपारा, खम्भात तथा भडौच

(ग) भारत-रोम व्यापार

(ह) दक्षिण से निर्यातित व्यापारिक वस्तुएँ ।

❖❖❖❖❖❖❖

(c) Udrang and Uprikar

(d) Mahakshpatlika and Karnika

(e) Bhutavata pratyaya

(f) Sopara, Cambay and Broach

(g) Indo-roman trade

(h) Trade goods exported from south.

निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(अ) भांडागाराधिकृत

(ब) धर्मनिरपेक्ष भूमि अनुदान

(स) उद्रंग तथा उपरिकर

(द) महाक्षपटलिक तथा कारणिक

(इ) भूतावातप्रत्याय

(फ) सोपारा, खम्भात तथा भडौच

(ग) भारत-रोम व्यापार

(ह) दक्षिण से निर्यातित व्यापारिक वस्तुएँ ।

❖❖❖❖❖❖❖